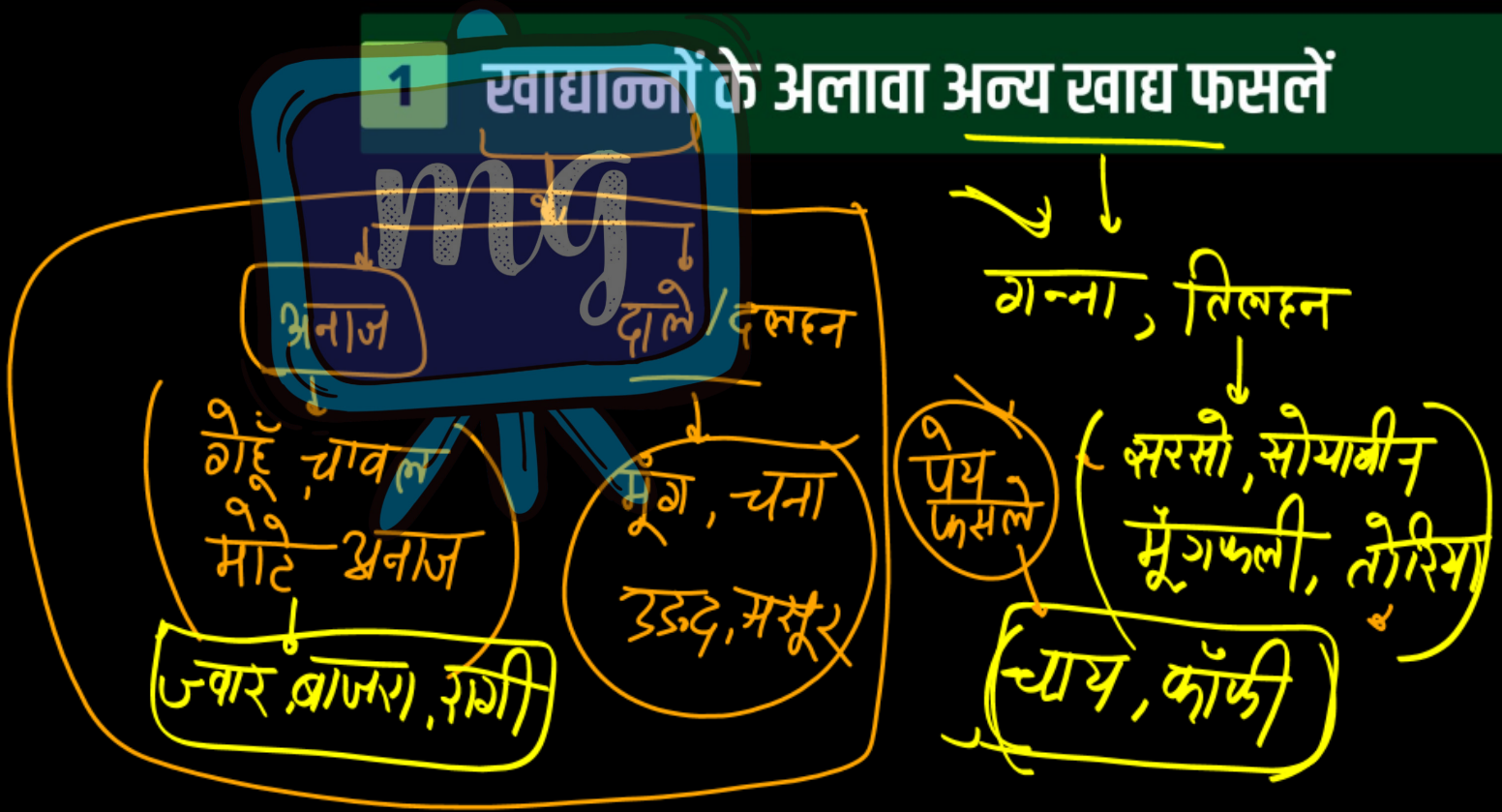

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
CLASS 10th
GEOGRAPHY
ARJUN
BATCH
Chapter-4 | Part-5
AGRICULTURE

आज क्या पढेंगे ?

1 खाद्यान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसलें



अन्य खाद्य फसलें


गन्ना


तिलहन


चाय

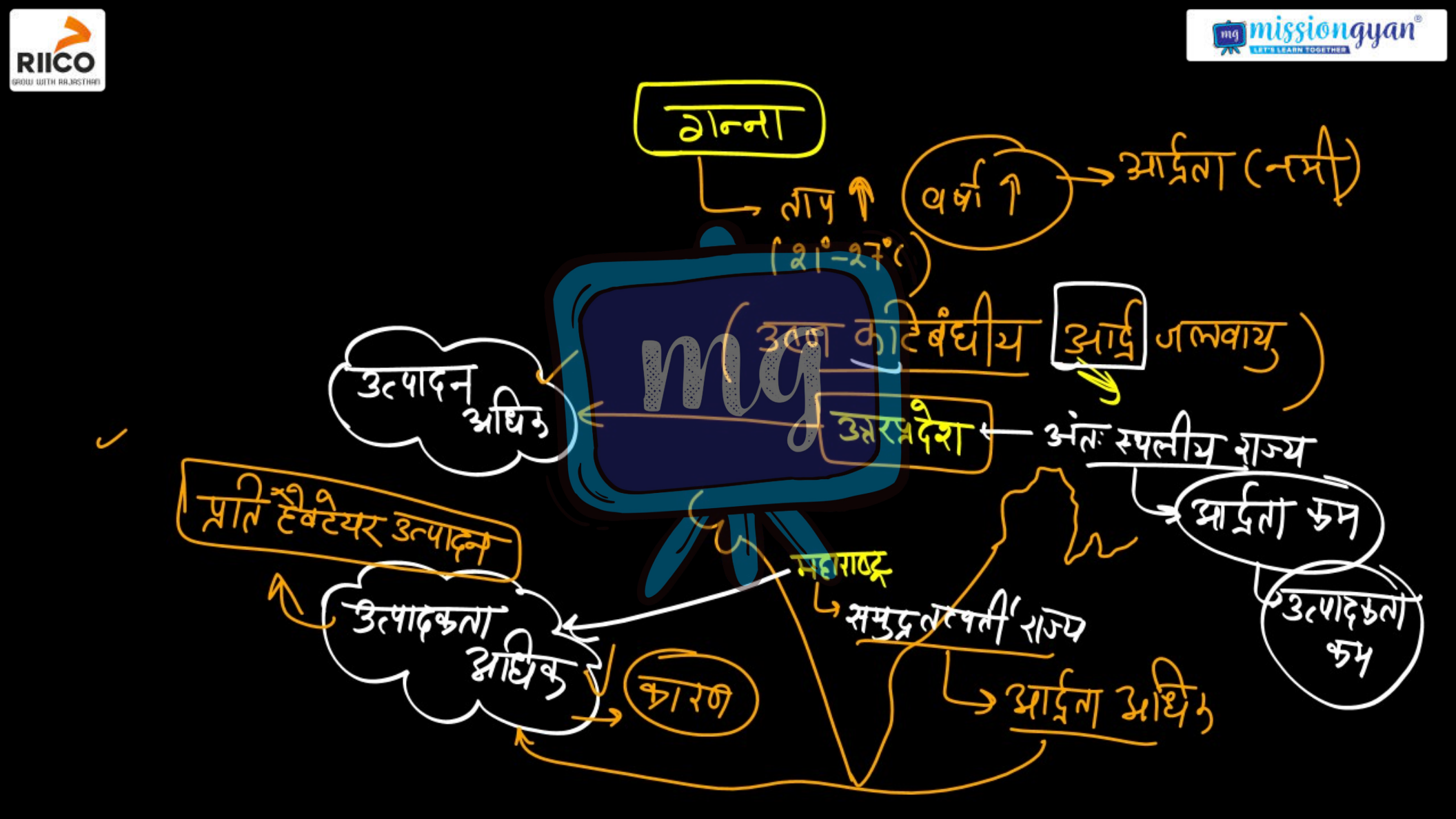

कॉफ़ी


बागवानी फसलें



गन्ना —

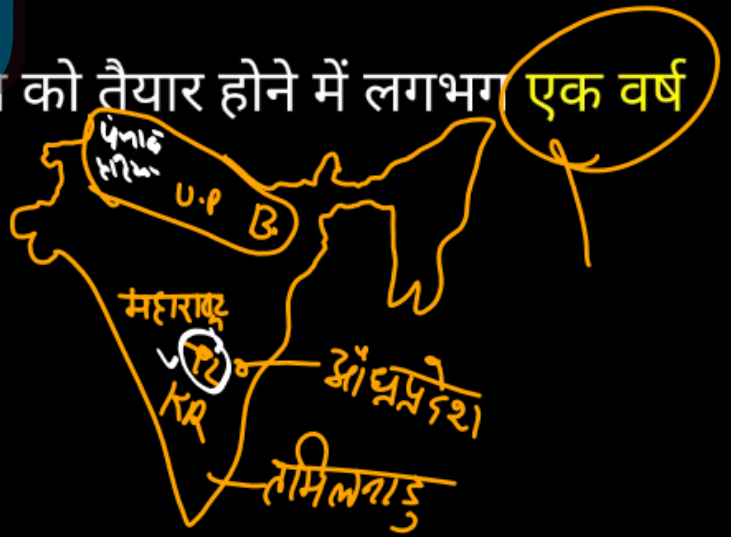
- उष्ण और उपोष्ण-कटिबंधीय फसल।
- उष्ण और आर्द्र जलवायु।
- 21° से 27° सेल्सियस तापमान।
- 75 से 100 सेमी. वार्षिक वर्षा।
- कम-वर्षा वाले प्रदेशों में सिंचाई की आवश्यकता।
- काफी शारीरिक श्रम की आवश्यकता।
- चीनी, गुड़, खांडसारी, शीरा बनाने के काम आता है।


गन्ना
ताप ↑ (21°-27°C)
वर्षा ↑
आर्द्रता (नमी)
उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु
उत्पादन अधिक
उत्तरप्रदेश
अंतः स्थलीय राज्य
आर्द्रता कम
उत्पादकता कम
प्रति हैक्टेयर उत्पादन
उत्पादकता अधिक
महाराष्ट्र
समुद्र तटवर्ती राज्य
कारण
आर्द्रता अधिक

- ब्राजील के बाद भारत गन्ने का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश।

मुख्य उत्पादक राज्य : उत्तर-प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, बिहार, पंजाब, हरियाणा।

- गन्ने की फसल को तैयार होने में लगभग एक वर्ष लगता है।



तिलहन — खाद्य तेल

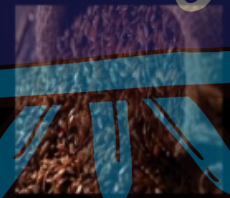

नारियल


सोयाबीन


तिल


अरंडी


बिनौला

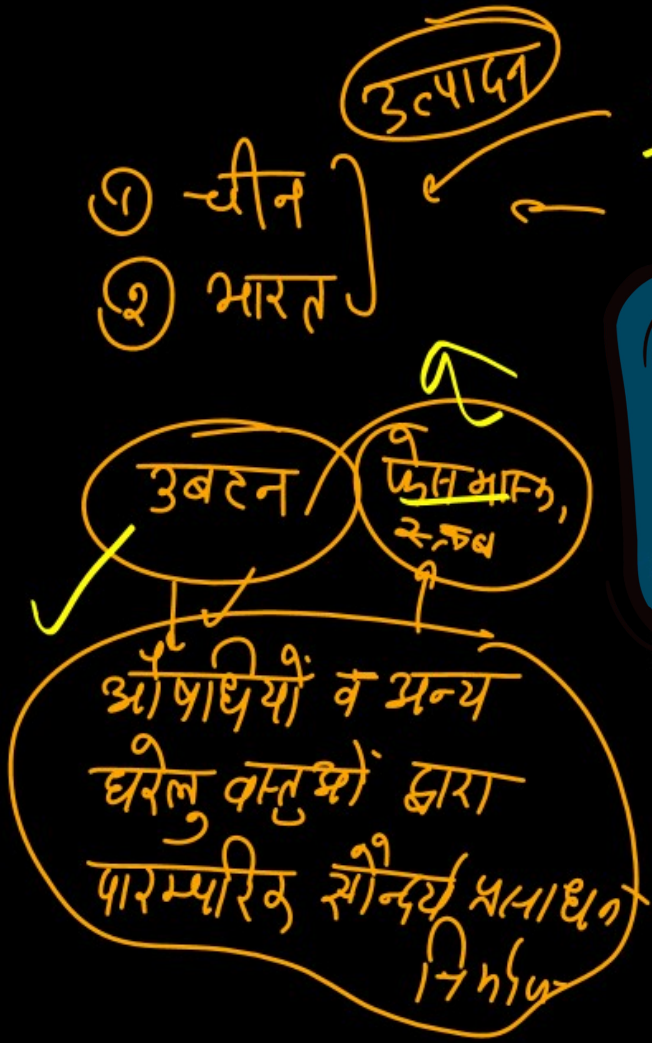

अलसी


सूरजमुखी


सरसों


मूँगफली

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



तिलहन —

- 2018 में भारत विश्व में (चीन के बाद) दूसरा बड़ा तिलहन उत्पादक।
- देश में कुल बोए गए क्षेत्र के 12% क्षेत्र पर तिलहन की फसलें उगाई जाती हैं।

मुख्य तिलहन फसलें : मूँगफली, सरसों, नारियल, तिल, सोयाबीन, अरंडी, अलसी, सूरजमुखी

- अधिकतर खाद्य हैं (खाना बनाने में प्रयोग)
- कुछ को साबुन, प्रसाधन (श्रृंगार का सामान) और उबटन उद्योग में कच्चे माल के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

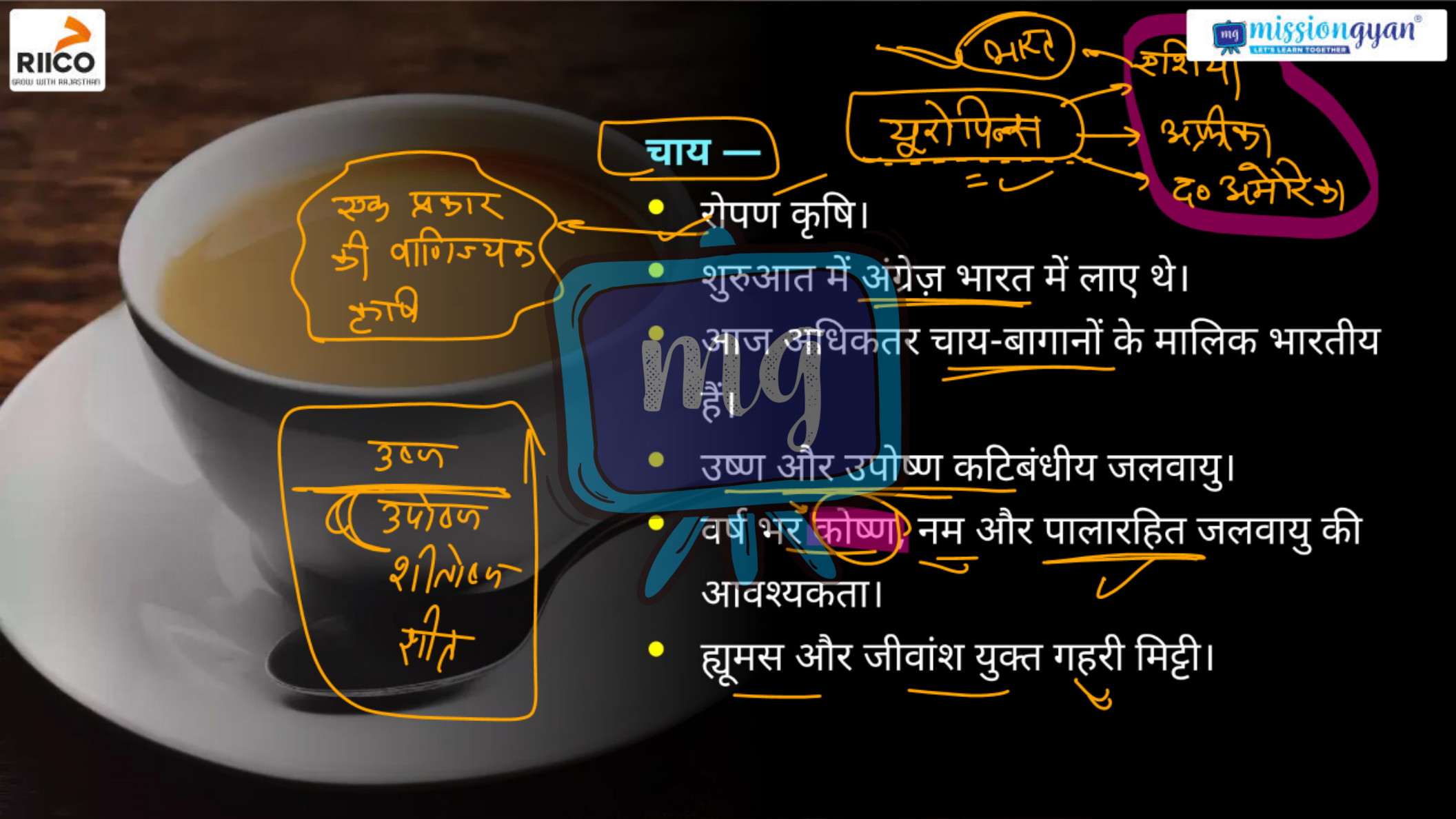
मूँगफली —

- खरीफ की फसल।
- देश में मुख्य तिलहनों के कुल उत्पादन का आधा भाग इसी फसल से।

प्रमुख उत्पादक राज्य : गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु।

- अलसी , सरसों : रबी की फसलें।
- तिल : उत्तर-भारत में खरीफ और दक्षिण-भारत में रबी।
- अरंडी : खरीफ और रबी दोनों।




चाय —
• रोपण कृषि।
• शुरुआत में अंग्रेज़ भारत में लाए थे।
• आज अधिकतर चाय-बागानों के मालिक भारतीय हैं।
• उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु।
• वर्ष भर कोष्ण नम और पालारहित जलवायु की आवश्यकता।
• ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी।



- सुगम जल-निकास वाले ढलवाँ क्षेत्रों में।
- वर्ष-भर समान रूप से होने वाली वर्षा की बौछारें इसकी कोमल पत्तियों के विकास में सहायक होती हैं।
- श्रम- सघन उद्योग (प्रचुर मात्रा में सस्ता और कुशल श्रम चाहिए)
- इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए चाय की पत्तियाँ बागान में ही संसाधित की जाती हैं।